

# 8

## भारत : जलवायु, वनस्पति तथा वन्य प्राणी



आप मौसम के बारे में प्रतिदिन समाचार पत्रों में पढ़ते हैं तथा टेलीविजन पर देखते हैं अथवा दूसरों को इस संबंध में बातें करते हुए सुनते भी हैं। आप जानते हैं कि मौसम वायुमंडल में दिन-प्रतिदिन होने वाला परिवर्तन है। इसमें तापमान, वर्षा तथा सूर्य का विकिरण इत्यादि शामिल हैं। उदाहरण के लिए मौसम कभी गर्म या कभी ठंडा होता है, कभी-कभी आसमान में बादल छा जाते हैं, तो कभी वर्षा होती है। आपने ध्यान दिया होगा कि जब बहुत दिनों तक मौसम गर्म रहता है तब आपको ऊनी वस्त्रों की आवश्यकता नहीं पड़ती है। आप खाने-पीने में ठंडे पदार्थों को पसंद करते हैं। इसके विपरीत ऐसे भी दिन होते हैं जब आपको ऊनी वस्त्रों के बिना ठंड लगती है। ठंडी और तेज़ हवाएँ चलती हैं। इन दिनों में आप गर्म चीज़ें खाना पसंद करते हैं।

सामान्यतः भारत में प्रमुख मौसम होते हैं :

- दिसंबर से फरवरी तक ठंडा मौसम (सर्दी)
- मार्च से मई तक गर्म मौसम (गर्मी)
- जून से सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून का मौसम (वर्षा)
- अक्टूबर और नवंबर में मानसून के लौटने का मौसम (शरद)

### शीत ऋतु

ठंडे मौसम में सूर्य की सीधी किरणें नहीं पड़ती हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्तर भारत का तापमान कम हो जाता है।

### ग्रीष्म ऋतु

गर्मी के मौसम में सूर्य की किरणें अधिकतर सीधी पड़ती हैं। तापमान बहुत अधिक हो जाता है। दिन के समय गर्म एवं शुष्क पवन बहती है जिसे लू कहा जाता है।

आओ खेलें

1. हमारे देश के सभी भागों में लोग अपने क्षेत्रों में पाए जाने वाले फलों के ठंडे पेय, जिसे शर्बत कहा जाता है, का सेवन करते हैं। ये पेय पदार्थ प्यास को बुझाने के सबसे अच्छे साधन हैं तथा लू के दुष्प्रभावों से हमारे शरीर की रक्षा करते हैं। क्या आपने कभी आम, बेत, नींबू, इमली, तरबूज तथा दही का शर्बत, जैसे- छाछ, मट्टा, मोरी, इत्यादि पिए हैं? बहुत से लोग केला तथा आम के मिलकशेक भी बनाते हैं।
  2. गर्मी के बाद, पहली वर्षा हमें आनंद प्रदान करती है। हमारी सभी भाषाओं में वर्षा पर गीत हैं। वे सुनने में अच्छे लगते हैं तथा हमें आनंदित करते हैं। वर्षा के दो गानों को याद करें तथा एक साथ मिलकर गाएँ।

वर्षा पर पाँच कविताओं को इकट्ठा करें या लिखें। विभिन्न भाषाओं में वर्षा के नामों की जानकारी अपने मित्रों, पढ़ोसियों तथा परिवार के सदस्यों से प्राप्त करें। उदाहरण के लिए



दक्षिण-पश्चिम मानसून या वर्षा का मौसम

यह मानसून के आने तथा आगे बढ़ने का मौसम है। इस समय पवन बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर से स्थल की ओर बहती है। वे अपने साथ नमी भी लाती हैं। जब ये पवन पहाड़ों से टकराती हैं तब वर्षा होती है।

मानसून के लौटने का मौसम या शरद ऋतु

इस समय पवन स्थल भागों से लौटकर बंगाल की खाड़ी की ओर बहती है। यह मानसून के लौटने का मौसम होता है। भारत के दक्षिणी भागों विशेषकर तमिलनाडु तक आंध्र प्रदेश में इस मौसम में वर्षा होती है।

किसी स्थान पर अनेक वर्षों में मापी गई मौसम की औसत दशा को जलवाय् कहते हैं।

भारत की जलवायु को मोटे तौर पर मानसूनी जलवायु कहा जाता है। मानसून शब्द अरबी भाषा के मौसिम से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है मौसम। भारत की स्थिति उष्ण कटिबंध में होने के कारण अधिकतर वर्षा मानसूनी पवन से होती है। भारत में कृषि वर्षा पर निर्भर है। अच्छे मानसून का मतलब है पर्याप्त वर्षा तथा प्रचुर मात्रा में फसलों का उत्पादन।

अगर किसी वर्ष मानसूनी वर्षा कम हो या नहीं हो तो क्या होगा? सही उत्तर पर चिह्न (✓) लगाओ।

- फसल प्रभावित होगी / नहीं होगी
  - कुएँ के पानी का स्तर ऊपर जाएगा / नीचे चला जाएगा
  - गर्मी का मौसम लंबा होगा / छोटा होगा



**आओ कुछ करके सीखें**  
भारत के मानचित्र पर  
इस पैराग्राफ में दिए गए  
स्थानों को चिह्नित करें।

सर्वाधिक ऊँचाई 60 मीटर	उद्गमी परत
40 मीटर	वितान
20 मीटर	तरुण वृक्ष
5 मीटर	झाड़ी वाली परत
1.5 मीटर	भूमि परत



चित्र 8.1 : उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन

किसी स्थान की जलवायु उसकी स्थिति, ऊँचाई, समुद्र से दूरी तथा उच्चावच पर निर्भर करती है। इसलिए हमें भारत की जलवायु में क्षेत्रीय विभिन्नता का अनुभव होता है। राजस्थान के मरुस्थल में स्थित जैसलमेर तथा बीकानेर बहुत गर्म स्थान हैं, जबकि जम्मू तथा कश्मीर के द्रास एवं कारगिल में बर्फीली ठंड पड़ती है। तटीय क्षेत्र जैसे मुंबई तथा कोलकाता की जलवायु मध्यम है। वे न ही अधिक गर्म हैं और न ही अधिक ठंडे। समुद्र तट पर होने के कारण ये स्थान बहुत अधिक आर्द्ध हैं। विश्व में सबसे अधिक वर्षा मेघालय में स्थित मौसिनराम में होती है, जबकि किसी-किसी वर्ष राजस्थान के जैसलमेर में वर्षा होती ही नहीं है।

### प्राकृतिक वनस्पति

हम अपने चारों तरफ विभिन्न प्रकार का पादप जीवन देखते हैं। हरे घास वाले मैदान में खेलना कितना अच्छा लगता है। कुछ पौधे छोटे होते हैं जिन्हें झाड़ी कहा जाता है, जैसे कैकटस तथा फूलों वाले पौधे इत्यादि। इसके अतिरिक्त बहुत से लंबे वृक्ष होते हैं उनमें से कुछ में बहुत शाखाएँ तथा पत्तियाँ होती हैं; जैसे- नीम, आम, तो कुछ वृक्ष ऐसे होते हैं जिनमें पत्तियों की मात्रा बहुत कम होती है, जैसे नारियल। घास, झाड़ियाँ तथा पौधे जो बिना मनुष्य की सहायता के उपजते हैं उन्हें प्राकृतिक वनस्पति कहा जाता है। क्या आप कभी यह नहीं सोचते कि ये एक-दूसरे से किस प्रकार भिन्न हैं। अलग-अलग जलवायु में अलग-अलग प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। इनमें वर्षा की मात्रा सबसे महत्वपूर्ण होती है।

जलवायु की विभिन्नता के कारण भारत में अलग-अलग तरह की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। भारत की वनस्पतियों को पाँच प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है- उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन, कंटीली झाड़ियाँ, पर्वतीय वनस्पति तथा मैंग्रोव वन।

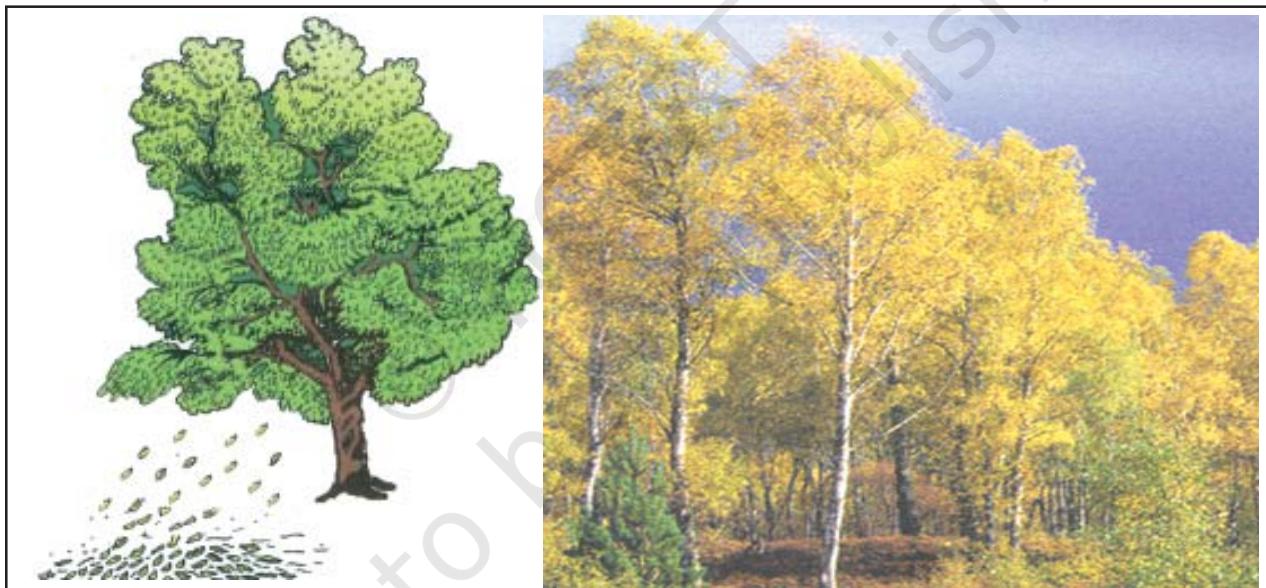
### उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन

उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वर्षा बहुत अधिक होती है। ये इतने घने होते हैं

कि सूर्य का प्रकाश जमीन तक नहीं पहुँच पाता है। वृक्षों की अनेक प्रजातियाँ इन वनों में पाई जाती हैं। ये वन वर्ष के अलग-अलग समय में अपनी पत्तियाँ गिराते हैं। फलतः वे हमेशा हरे-भरे दिखाई देते हैं और उन्हें सदाबहार वन कहा जाता है (चित्र 8.1)। अंडमान-निकोबार द्वीपसमूहों, उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ भागों तथा पश्चिमी घाट की सँकरी पट्टी में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष महोगनी, एबोनी तथा रोजवुड हैं।

### उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन

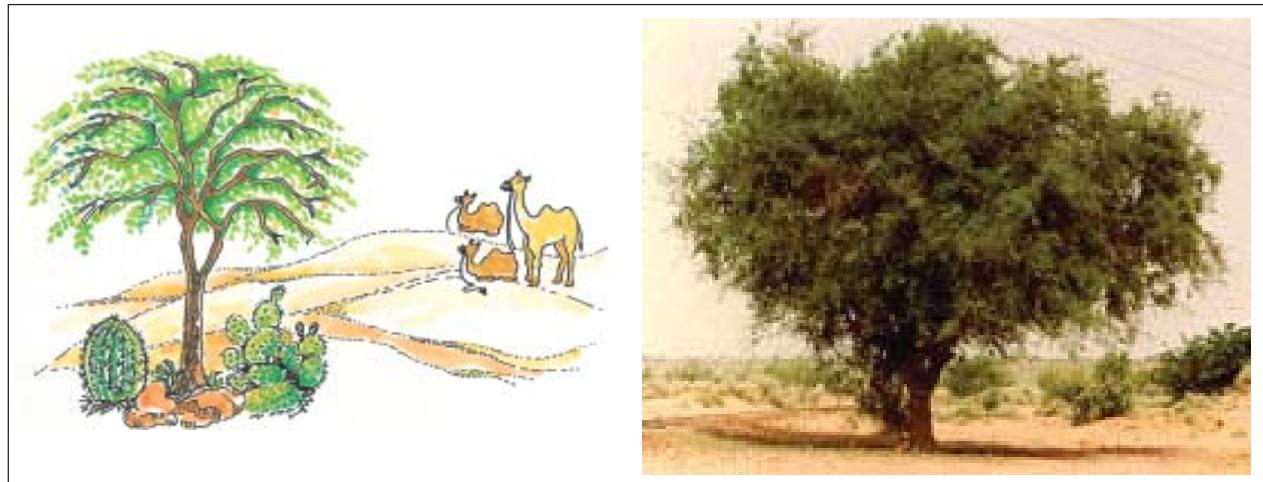
हमारे देश के बहुत बड़े भाग में इस प्रकार के वन पाए जाते हैं। इन वनों को मानसूनी वन भी कहा जाता है। ये कम घने होते हैं और वर्ष के एक निश्चित समय में अपनी पत्तियाँ गिराते हैं। इन वनों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण पेड़ साल, सागौन, पीपल, नीम एवं शीशम हैं। ये मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा तथा महाराष्ट्र के कुछ भागों में पाए जाते हैं।



चित्र 8.2 : उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन

### कंटीली झाड़ियाँ

इस प्रकार की वनस्पतियाँ देश के शुष्क भागों में पाई जाती हैं। पानी की क्षति को कम करने के लिए इनकी पत्तियों में बड़े-बड़े काँटे होते हैं। इनके महत्वपूर्ण वृक्ष हैं- कैकटस, खैर, बबूल, कीकर इत्यादि। ये राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी घाट के पूर्वी ढालों तथा गुजरात में पाई जाती हैं।



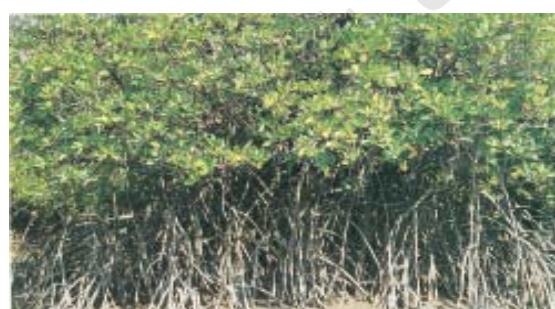
चित्र 8.3 : कंठीली झाड़ियाँ

### पर्वतीय वनस्पति

पर्वतों में ऊँचाई के अनुसार वनस्पतियों के विभिन्न प्रकार पाए जाते हैं। ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान में कमी आती जाती है। समुद्र तल से 1,500 मीटर से 2,500 मीटर की ऊँचाई के बीच पेड़ों का आकार



चित्र 8.4 : पर्वतीय वन



चित्र 8.5 : मैंग्रोव वन

शंक्वाकार होता है। ये पौधे शंकुधारी वृक्ष कहे जाते हैं। इन वनों के महत्वपूर्ण वृक्ष चीड़, पाइन तथा देवदार हैं।

### मैंग्रोव वन

ये वन खारे पानी में भी रह सकते हैं। ये मुख्यतः पश्चिम बंगाल के सुंदरबन तथा अंडमान एवं निकोबार के द्वीपसमूहों में पाए जाते हैं। सुंदरी इस प्रकार के वनों

की महत्वपूर्ण प्रजाति है, इसी प्रजाति के नाम पर क्षेत्र का नाम सुंदरबन पड़ा।

## हमें वनों की आवश्यकता क्यों है?

वन हमारे लिए बहुत ही लाभदायक हैं। ये विभिन्न कार्य करते हैं। पेड़-पौधे ऑक्सीजन छोड़ते हैं जिसे हम साँस के रूप में लेते हैं तथा कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं। पेड़-पौधों की जड़ें मिट्टी को बाँध कर रखती हैं तथा इस प्रकार वे मिट्टी के अपरदन को रोकते हैं।

वनों से हमें ईंधन, लकड़ी, चारा, जड़ी-बूटियाँ, लाख, शहद, गोंद इत्यादि प्राप्त होते हैं।

वन वन्यजीवों के प्राकृतिक निवास हैं।

पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण भारी मात्रा में प्राकृतिक वनस्पतियाँ समाप्त हो गई हैं। हमें अधिक पौधे लगाने चाहिए, जो पेड़ बचे हैं उनकी रक्षा करनी चाहिए एवं लोगों को पेड़ों के महत्व के बारे में बताना चाहिए। हम लोग कुछ खास आयोजन जैसे वनमहोत्सव मनाकर अधिक से अधिक लोगों को इस प्रयास में शामिल कर सकते हैं तथा पृथक्की को हरा-भरा रख सकते हैं।

लीला के माता-पिता ने उसके जन्म पर नीम के एक पौधे को रोपा। प्रत्येक जन्मदिन पर उन्होंने अलग-अलग पौधों को रोपा था। इनको हमेशा पानी से सींचा जाता था तथा अत्यधिक गर्मी, सर्दी एवं जानवरों से बचाया जाता था। बच्चे भी यह ध्यान रखते थे कि कोई उन्हें नुकसान न पहुँचा पाए। जब लीला 20 वर्ष की हुई तब 21 सुंदर वृक्ष उसके घर के चारों ओर खड़े थे। चिड़ियों ने उन पर अपना घोंसला बना लिया था, फूल खिलते थे, तितलियाँ उनके चारों ओर मंडराती थीं, बच्चों ने उनके फलों का आनंद लिया था, उनकी शाखाओं पर झूले तथा उनकी छाया में खेले थे।



चित्र 8.6 : वनों के उपयोग

## वन्य प्राणी

वन विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों का निवास होता है। वनों में जंतुओं की हजारों प्रजातियाँ तथा बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार के सरीसृपों, उभयचरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीटों तथा कृमियों का निवास होता है।

बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। यह देश के विभिन्न भागों में पाया जाता है। गुजरात के गिर वन में एशियाई शेरों का निवास है। हाथी तथा एक



चित्र 8.7 : वन्य जीवन

सींग वाले गैंडे असम के जंगलों में घूमते हैं। हाथी, केरल एवं कर्नाटक में भी मिलते हैं। ऊँट भारत के रेगिस्तान तथा जंगली गधा कच्छ के रन में पाए जाते हैं। जंगली बकरी, हिम तेंदुआ, भालू इत्यादि हिमालय के क्षेत्र में पाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त बहुत से दूसरे जानवर; जैसे- बंदर, सियार, भेड़िया, नीलगाय, चीतल इत्यादि भी हमारे देश में पाए जाते हैं।

भारत में पक्षियों की भी ऐसी ही प्रचुरता है। मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। भारत में पक्षी तोता, मैना, कबूतर, बुलबुल तथा बतख इत्यादि हैं। अन्य बहुत सारे राष्ट्रीय पक्षी उद्यान हैं जो पक्षियों को उनका प्राकृतिक निवास प्रदान करते हैं। उद्यान शिकारियों से पक्षियों की रक्षा करते हैं। क्या आप अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले पाँच पक्षियों के नाम बता सकते हैं?

भारत में साँपों की सैकड़ों प्रजातियाँ पाई जाती हैं। उनमें कोबरा एवं करैत प्रमुख हैं।

वनों के कटने तथा जानवरों के शिकार के कारण भारत में पाए जाने वाले बन्यजीवों की प्रजातियाँ तेज़ी से घट रही हैं। बहुत सी प्रजातियाँ तो समाप्त भी हो चुकी हैं। उनको बचाने के लिए बहुत से नेशनल पार्क, पशुविहार तथा जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं। सरकार ने हाथियों तथा बाघों को बचाने के लिए बाघ परियोजना एवं हस्ति परियोजना जैसी परियोजनाओं को शुरू किया है। क्या आप भारत के कुछ पशुविहारों के नाम तथा मानचित्र पर उनकी स्थिति बता सकते हैं?

आप बन्यजीवों के संरक्षण में भी अपना हाथ बँटा सकते हैं। आप जानवरों के शारीर के विभिन्न अंगों; जैसे- हड्डी, सींग तथा पंख से बने पदार्थों को खरीदने से इनकार कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ष हम लोग अक्टूबर के पहले सप्ताह को बन्यजीव सप्ताह के रूप में मनाते हैं ताकि बन्यजीवों के निवास को संरक्षित रखने के लिए जागरूकता लाई जा सके।

## Largescale poaching alleged in Simlipal reserve

By Arun Kumar Das/TNN

New Delhi: Yet another tiger sanctuary appears headed the Sariska way. Though officially there are 101 tigers in Orissa's Simlipal reserve, sightings have dropped sharply this year, raising fears of largescale poaching in the state's largest tiger sanctuary.

Not only are fewer tigers visible, villagers have also stopped complaining about cattle kills by the jungle cats. In 2003, 11 villages with 4 lakh residents in the areas surrounding Simlipal and 12,000 people live inside the sanctuary area.

Apart from tigers, the 2,750-sq-km sanctuary is home to 127 leopards, 465 elephants and hundreds of bison, boar, deer and wild boars.

Park records say there were 13 tiger sightings in 2003. The figure dropped to 7 in 2004.

Jitendra Kumar, district forest officer, Baripada, who is also in-charge of Simlipal, insists that sightings don't translate to fewer tigers.

"Because it is a different terrain here. There are seven rivers passing through the forest and about 500 water bodies and falls in the forest. There is no water or food for water in the forest, so tigers don't go for human or cattle killings," he said.

Visitors, Kumar says, don't have the patience to wait for tigers as they are always in hurry.

"Unlike other sanctuaries, there is no one entry point here. So one has to wait patiently in different places in the core areas. So far, we have not come across any evidence of poaching in the forest."

Admitting the un-



IS ORISSA'S SIMLIPAL RESERVE HEADING THE SARISKA WAY?

partment official said lack of car kills was intriguing and hoped new sophisticated census methods would be more accurate.

In the case of Sariska and Ranthambore, two of the more important tiger reserves in India, prey availability is often either found to be exaggerated or completely wrong. Biswajit Mohanty of the Wildlife Society of Orissa, which monitors the Simlipal tiger population, says claims of the authorities aren't valid and are just statistical exercises, otherwise.

"Unlike in elephant poaching, where the poacher leaves behind the carcass, the tiger poacher leaves the

"Because right from its nails, eyes, toes, teeth, t-thing is sold. There were lots of leopards and tiger sightings in the last four months in no poaching cases were recorded."

According to Wildlife Trust of India vice-chairman Ashok who has moved a PIL in the Court challenging official figures, "The number is not more than 30 or perhaps 40 tigers. It is not possible that the number of water bodies in the area is less than 100 and it is also a dense forest."

**More Sariskas in the making**

By Chandrika Mago/TNN

New Delhi: There could be many more tiger reserves in India in the near future. If tourists could see tigers lying away from Rajasthan's famous Sariska reserve, the government's never-dissatisfied 'tiger task force' has taken an unusual decision to list five other reserves as tiger sanctuaries.

It has been decided that 3,600 tigers but nobody believes the figures, just as nobody is quite sure of the size of the tiger population. One of the main Project Tiger officials have been mapping traditional boundaries of tiger reserves to find the level for actual sightings. They find that the boundaries are too large, so they are changing and redefining areas accordingly. This is an attempt to put maximum pressure on the government to accept acknowledgement that it hasn't been far.

As the PM will hear at an upcoming meeting of the tiger task force, the traditional range has been mapped on the basis of literature, which is not the best way to find the boundaries. It is better to find the boundaries on the basis of the tiger's movement patterns, says additional DG (wildlife) R P S Karmarkar.

Law enforcement agencies, a piece of paper. A deadly cocktail has been brewing as the territorial boundaries of tiger reserves have been reduced to protect them from poachers. The human trample ground in this area is to privacy poachers from the outside. The tiger task force has issued a memorandum of understanding to the concerned officials on the local levels, who are best about the movements of both tigers and tigers.

The report shows that the tiger task force has recommended the setting up of a crime bureau because it is important that we find a way to help coordinate with the state. The wildlife crime bureaus need to be set up immediately under the ministry's

## Will Centre, wildlife lovers finally kiss and make up?

By Chandrika Mago/TNN

New Delhi: The country's new di-

the function.

This certainly doesn't mean the two sides have kissed and made up.

## Big cats vanishing from Uttarakhand

By Jaskiran Chopra/TNN

Dehra Dun, Uttarakhand,

has removed the same

home to the famous tiger reserves,

ever since 2002 (92 tigers). How

ever, in the last four years

there are now 30 tigers

compared with 37 in 2002.

tigers, also up by 10 per cent.

With the number of tigers

up from 141 in 1991 to 165 according to the

Wildlife Census 2002 report.

area, according to the 2001 census. U-

ttarakhand has a total area of 53,000 sq km.

State has lost 10 tigers over

the last four years, more

than two weeks every year.

While these were 251 tigers in 1991 and 245 in 2001, the

number further reduced to

241 in 2002.

Tiger Reserve in CTM had

an increase in 2003

and addressed the

issue, though there were 127

tigers in the Kosi River tiger

Park. So the figures show a

number of the

outback park.

## Cramped in Gir, lions pine for grassland

By Hemanta Kalpathi/TNN

edians in Gir forest of its natural

habitat have seen a sharp

decline in the last few years as the

range has shrunk into a de-

forested area.

Rangers have been trying to

protect the animals and

the forest.

On Wednesday, the members of

a task force

began a two-day meet

Task force begins

two-day meet

Team NEW NETWORK

The Prime Minister

appended time task force to meet

over two days in the Capital,

consulting experts, scientists

and even officials.

On Wednesday, the members of

the task force

met from 9 am to 1 pm, hearing out

CITIUS, a representative

of the international Conven-

tion on CITES as well as Indian

and foreign wildlife agencies

through group discussions which

have some for the issues come

out in the open. Thursday is the

day for experts — with a re-

view of the

task force counts and how to

## Villages in tiger reserves must be relocated

By Chandrika Mago/TNN

How did the PM react to the suggestion of the task force?

The PM reacted in a positive manner. We had made seven recommendations in our report and the PM

SUNITA NARAIN  
Chairman, Tiger Task Force  
On the panel's meeting with

By Chandrika Mago/TNN

Portaria, the plan to relocate village

within a year

accepted all of them.  
Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

Which recommendation needs to be implemented immediately?

Accepted all of them.

## प्रवासी पक्षी

कुछ पक्षी; जैसे- पेलिकन, साइबेरियन क्रेन, स्टोर्क, फ्लैमिंगो, पिनटेल बतख, कर्लियू इत्यादि प्रत्येक वर्ष सर्दी के मौसम में हमारे देश में आते हैं। साइबेरियन क्रेन साइबेरिया से दिसंबर के महीने में आते हैं तथा मार्च के आरंभ तक रहते हैं।



स्टोर्क-एक प्रवासी पक्षी

## अभ्यास

### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।

- कौन-सी पवन भारत में वर्षा लाती है? यह इतनी महत्वपूर्ण क्यों है?
- भारत के विभिन्न मौसमों के नाम लिखिए।
- प्राकृतिक वनस्पति क्या है?
- भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के नाम लिखिए।
- सदाबहार वन तथा पतझड़ वन में क्या अंतर है?
- उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों को सदाबहार वन क्यों कहा जाता है?

### 2. सही उत्तर चिह्नित (✓) कीजिए।

- विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र कौन-सा है  
क. मुंबई                    ख. आसनसोल                    ग. मौसिनराम
- मैंग्रोव वन कहाँ हो सकते हैं?  
क. खारे जल में            ख. साफ जल में            ग. प्रदूषित जल में
- महोगनी एवं रोजवुड वृक्ष पाए जाते हैं-  
क. मैंग्रोव वन में  
ख. उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन में  
ग. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन में
- जंगली बकरी तथा हिम तेंदुए कहाँ पाए जाते हैं?  
क. हिमालय क्षेत्र में            ख. प्रायद्वीपीय क्षेत्र में            ग. गिर वन में

(v) दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय आर्द्र पवनें कहाँ बहती हैं?

- क. स्थल से समुद्र की ओर
- ख. समुद्र से स्थल की ओर
- ग. पठार से मैदान की ओर

### 3. खाली स्थान भरें।

- (i) गर्मी में दिन के समय शुष्क तथा गर्म पवनें चलती हैं जिन्हें \_\_\_\_\_ कहा जाता है।
- (ii) आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में \_\_\_\_\_ के मौसम में बहुत अधिक मात्रा में वर्षा होती है।
- (iii) गुजरात के \_\_\_\_\_ वन \_\_\_\_\_ का निवास है।
- (iv) \_\_\_\_\_ मैंग्रोव वन की प्रजाति है।
- (v) \_\_\_\_\_ को मानसून वन भी कहा जाता है।



### आओ खेलें

1. अपने आस-पास के वृक्षों की सूची बनाएँ, वनस्पति, जंतुओं एवं पक्षियों के चित्र इकट्ठा करें तथा उन्हें अपनी कॉपी पर चिपकाएँ।
2. अपने घर के पास एक पौधा लगाएँ तथा उसकी देखभाल करें एवं कुछ महीने के भीतर उसमें आए परिवर्तनों का अवलोकन करें।
3. क्या आपके आस-पास के क्षेत्र में कोई प्रवासी पक्षी आता है? उसको पहचानने की कोशिश करें। सर्दी के मौसम में विशेष ध्यान दें।
4. बड़ों के साथ अपने शहर के चिड़ियाघर या नजदीक के वन या पशुविहार को देखने जाएँ। वहाँ विभिन्न प्रकार के वन्य जीवन को ध्यानपूर्वक देखें।

